कलावंत रंगकृति

~ अंशिका अवनि

कलावंत — रंगकृति

||रंगों के उस समंदर
में गोताखोर सा
मेरा मन सीप सी
कहानियाँ ढूंढ रहा है।

शब्दों में रंग खोजे हैं,
रंगों में कविता ...

और यूँ बनी मेरी
"कलावंत रंगाकृति"

भारतम् राष्ट्रम् की
संस्कृति, जो इंद्रधनुषीय
विविधता को भी दिल
से गले लगाती है, मेरे
अस्तित्व की नींव है ||

हस्तकला...? क्यों?

बहुत सोचने के बाद,
बड़ी मशक्कत करके
भगवान ने माटी
को आकार दिया,
उसमें प्राण डाला,
रंग भरे और बन
गया इंसान।

इंसान को दिया
भावनाओं से भरा
एक हृदय; विचारों
से बना एक मस्तिष्क
और प्रकृति के साथ
इनकी जुगलबंदी..
जननी बनी हस्त
कृति की।

पेश है रंगों का
सफ़रनामा ||

संकटकाल

मशीन और तकनीक
ने हमारे जीवन को
सरल बना दिया। पर
क्या इसने सिर्फ इतना
ही किया। हाँ ज्यादा
कुछ नहीं, कठपुतलियों
से प्राणवायु छीन
लिया गया, कलाकारों
से उनकी जीवनी,
रंगमंच से लोग,
कलम के तले चिट्ठी
और मन से कारुण्य
सौम्यता।

मशीन के स्वामी
बनते-बनते; कब
समय के जाल में
हम फस गए?

कला वो जो आपको
खुद से
मिलवा दे !!

|| हस्तकला का मंतव्य और गंतव्य

9933362482
९९३३३६२४८२

घर-आंगन नहीं .... अपितु

anshikaavani.shs@gmail.com

मन-महल को सजाना है ||